

अंतर-सेवा संगठन वधियक, 2023

प्रलिस के लयः

भारतीय वायु सेना, नौसेना, थल सेना, अंडमान और नकऱोबार द्वाऱप समूह में संयुक्त कमान

मेन्स के लयः

अंतर-सेवा संगठन वधियक, 2023

चर्चा में क्यों?

हाल ही में लोकसभा में अंतर-सेवा संगठन (कमान, नयऱंतरण और अनुशासन) वधियक, 2023 पेश कयऱा गया ताकऱ नामतऱ सैन्य कमांडरों, चाहे वे कसऱी भी सेवा से संबंढतऱ हों, को सैनकऱों का कार्गभार संभालने और अनुशासन लागू करने का अधकऱार दयऱा जा सके ।

- इस वधियक को एकीकृत अथवा संयुक्त कमान/कमांड की स्थापना से पहले पेश कयऱा गया है, जसऱके अनुसार सभी संसाधन और सैन्यकर्मी [भारतीय थल सेना](#), [नौसेना](#) और [भारतीय वायु सेना](#) के एक एकल 3-स्टार रैंक वाले जनरल के परचालन नयऱंतरण में होंगे ।

प्रमुख बढऱु

- इस प्रणाली में पाँच संयुक्त सेवा कमान- पश्चऱमी, पूरवी, उत्तरी, समुद्री और वायु रक्षा के शामिल होने की संभावना है ।
- केंद्र सरकार एक अंतर-सेवा संगठन का गठन कर सकती है, जसऱमें एक संयुक्त सेवा कमान शामिल हो सकती है ।
- यह अंतर-सेवा संगठनों के कमांडर-इन-चीफ/ऑफसऱर-इन-कमांड को अनुशासन बनाए रखने एवं थल सेना, नौसेना और वायु सेना के सभी कर्मयऱों के कर्तव्यों का उचतऱ नरऱवहन सुनश्चितऱ करने में सशक्त बनाएगा ।
- कसऱी अंतर-सेवा संगठन का कमांडर-इन-चीफ या ऑफसऱर-इन-कमांड ऐसे अंतर-सेवा संगठन का प्रमुख होगा ।

भारतीय सशस्त्र बलों की वर्तमान व्यवस्था:

- वर्तमान में संबंढतऱ सेवाओं के सैनकऱ संसद के वभिन्न अधनयऱमों द्वारा शासतऱ होते हैं ।
 - ये हैं- 1957 का नौसेना अधनयऱम, 1950 का वायु सेना अधनयऱम और 1950 का थल सेना अधनयऱम ।
 - वर्तमान संयुक्त सेवा व्यवस्था में नौसेना अधकऱारी की कमान वाले सैनकऱ को कसऱी भी अनुशासनात्मक कार्गवाही के लयऱ उसकी मूल इकाई में वापस भेजना होगा । नौसेना अधकऱारी के पास ऐसे सैनकऱ के संबंढ में प्रशासनकऱ शक्तयऱों नहीं हैं ।
- भारतीय सशस्त्र बलों के पास वर्तमान में 17 कमान/कमांड हैं । थल सेना और वायु सेना प्रत्येक में 7 और नौसेना के पास 3 कमांड हैं ।
 - प्रत्येक कमांड का नेतृत्व एक 4-स्टार रैंक का सैन्य अधकऱारी करता है ।
- अंडमान और नकऱोबार द्वाऱप समूह में एक संयुक्त कमान है जो भारत के अंडमान और नकऱोबार द्वाऱप समूह के पोर्ट ब्लेयर में स्थतऱ भारतीय सशस्त्र बलों की पहली त्रऱ-सेवा थयऱटर कमान है ।
- अन्य त्रऱ-सेवा कमान जैसे का सामरकऱ बल कमान (SFC), देश की परमाणु संपत्तऱ के वतऱरण और परचालन नयऱंतरण की देखभाल करती है ।
- कुछ त्रऱ-सेवा संगठन भी हैं जैसे- रक्षा खुफयऱा एजेंसी, रक्षा साइबर एजेंसी, रक्षा अंतरकऱष एजेंसी आदऱ ।

चीन द्वारा अपने सशस्त्र बलों का संचालन:

- वर्ष 2016 में चीन ने आक्रामक कषमताओं को बढावा देने के लयऱ अपनी 2.3 मलयऱन पीपुल्स लवऱरेशन आरमी को पाँच थयऱटर कमांड में पुनर्रगठतऱ कयऱा ।
 - इसका वेस्टर्न थयऱटर कमांड पूरवी लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक 3,488 कलयऱमीटर लंबी वासतवकऱ नयऱंतरण रेखा की देख-रेख करता है ।
- चीन से लगी उत्तरी सीमाओं हेतु भारत के पास चार सेनाएँ और तीन भारतीय वायु सेना कमांड हैं ।

पहल का महत्त्व:

- यह वधियक वभिन्न प्रकार के मूरत लाभों का मार्ग प्रशस्त करेगा, जसिमें त्वरति मामला नपिटान, कई कार्यवाहियों से बचकर समय और सार्वजनिक धन की बचत, साथ ही सशस्त्र बलों के कर्मियों के बीच अधिकि एकीकरण एवं संयुक्त कौशल शामिल हैं।

[स्रोत: द हद्रि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/inter-services-organizations-bill,-2023>

